बिहार में द लत उत्थान हेतु आ थक सामाजिक_कार्यक्रम

द लतों त्थान के लए सरकारी कार्यक्रम

राज्य एवं केन्द्र द्वारा :-

शोधकर्ता

डा.ललन पासवान

एम.ए , पी.एच.डी(अर्थशास्त्र)

मगध वश्व वधालय बोधगया

भारतीय समाज में सदियों से दबे कुचले एवं *अपे क्षत*लोगो के लए सरकार दुवरा समाज कल्याण मंत्रालय, का गढन कया गया है | द लतो के वकास के लए सरकार ने व भन्न आयोगों गढन कया है | इनके उत्थान के लए अलग से रा श मुहैया करती है ता क समाजिक आ थक के साथ साथ राजनैतिक एव शैक्ष णक स्थिति में भी परिवर्तन हो | और लोगो समाज के मुख्यधारा से जुट सके | निचे दिये गए अकड़े के अनुसार और सामग्री है वह समाज कल्याण मंत्रालय से ली गई है |

3.1 जनगणना 2001 के अनुसार देश में अनुसू चत जातियों की संख्या 16.66 करोड़ अनुसू चत जनजातियों की संख्या 7% थी | जो देश के कुल आबादी का 16.23% है | मुख्यता उत्तर प्रदेश 3.51 करोड़ ,1.84 बंगाल -त मलनाडु 1.8,1.23 आन्ध्र प्रदेश बिहार 1.13 करोड़ में है | देश में अनुसू चत जाति की आबादी का 53.36 होता है | जनसंखाया के दृष्टि में उत्तर प्रदेश में सबसे अ धक आबादी है | जब क पंजाब राज्य में जनसंख्या के अनुसू चत जातियों का प्रतिशत अ धक है |

2001 के जनगणना के अनुसार राज्य संघ राज्य क्षेत्र बार जातियों की जनसँख्या निम्न ल खत सरणी में डी गई है |

क्रम - राज्य / संघ राज्य क्षेत्र / इण्डिया कुल संख्या - अनुसूचित प्र०

इण्डिया	1026443540	-	166575663	-	16.23 %
क्रम सं०					
आंध्रप्रदेश	76210007	-	12339496	-	16.19
अरुणचल प्रदेश	10977968	-	6188	-	0.56
असम	26655528	-	1825949	-	6.85
बिहार	82998509	-	13048608	-	15.72
गोवा	1347668	-	23791	-	1.77
गुजरात	50671017	-	3592715	-	7.09
हरियाणा	21144564	-	4091110	-	19.35
हिमाचल प्रदेश	6077900	-	1502170	-	24.72
जम्मू कश्मीर	10143700	-	770155	-	7.59
कर्नाटक	58850562	-	8563930	-	16.20
केरल	31841374	-	3123941	-	9.81
मध्यप्रदेश	60378023	-	9155177	-	15.17
महाराष्ट्र	96878627	-	9881656	-	10.20
म णपुर	2166788	-	60037	-	2.77
मंघालय	2318822	-	11139	-	0.48

मजोरम	888573	-	273	-	0.03
नागालैण्ड	1990036	-	0	-	
उडीसा	36804664	-	6082063	-	16.53
पंजाब	24358999	-	7028723	-	28.85
राजस्थान	56507188	-	9694462	-	17.16
सक्किम	540851	-	27165	-	5.02
त मलनाडु	62405679	-	11857504	-	19.00
त्रिपूरा	3199203	-	555724	-	17.37
उतर प्रदेश	166197921	-	35148377	-	21.15
पश्चिम बंगाल	80176197	-	18452555	-	23.02
छतीसगढ़	20833803	-	2418722	-	11.61
झारखण्ड	26975829	-	3189320	-	11.84
उतराचल	8489349	-	1517186	-	11.84
अडवान निकोवार					
दीप समूह	356152	-	0	-	0
चंडीगढ़	900635	-	157597	-	17.50
दादरा व नागर					
हवेली	220490	-	4104	-	1.86

दमन व् दीप	158204	-	4838	-	1.86
दिल्ली	13850507	-	2373255	-	16.92
लक्षदीप	60650	-	0	-	0
पां डचेरी	974345	-	157771	-	16.19

अनुसू चत जाति के रूप में कोई समुदाय अ धसु चत नही कया गया है|

अरुणाचाल प्रदेश की अनुसु चत जातियों की सू च की अनुसू चत जाति अ धनियम 2002 के द्वारा डमोह फाई कया गया है |

श्रोत भारत की जनसंख्या 2001 भारत का महारजिस्टर नई दिल्ली

द लत जातियों के पछडेपन कों स्वीकार्य करते हुए भारत का स वधान समक्ष समता (अनुछेद 14) की गारंटी देता है यह राज्यों कों अनुसू चत जाति जनजातियों के लए वशेष उपबन्ध करने की शक्ति प्रदान करता है | अनुछेद - 17छुआ-छुत का अंत कर दिया गया है | लोकतंत्रतिक संसथाओ में (अनुछेद 330,243 घ तथा सेवाओ) आरक्षण का कया जाना साकारात्मक पक्ष है | अनुसू चत जातियों व्यक्तियों कों आ र्थक सामाजिक एवं राजनैतिक द्रष्टा से वकास करना राष्ट् का वकास का एजेड़ा में प्राथ मक सू च पर बना हुआ है | न्यूनतम सफा कार्यक्रम में उलेख्य है की देश के सभी राजनैतिक दलों उधोग और संगढनो के साथ एक संवाद शुरू करेगी की निजी क्षेत्रआरक्षणसहित सकारात्मक करवाई दुवरा- द लत जातियों का युवा आकाक्षाओ कों कस प्रकार भली भाती ढंग से पूर्ण कर सकता है |

पहले एक प्रदनावली में 218 वा णज्य और उधोग चैम्बरो कों सम्बो धत की गई है |

केंद्र सरकार द्वारामैला ढोने वाली प्रथा कों उन्मूलन के लए बनाई गई योजना कों देखरेख करती है |

आ र्थक वकास :- 1979 में बनाई गई वशेष संघटक योजना निति का उदेश्य द लत जातियों कों सामाजिक आ र्थक शैक्ष णक वकास करना है तथा उनका कार्य एव जीवन दशाओ का सुधार भी करना है | जो इस प्रकार है |

आय बढाना तथा आ श्रत स्रजन के लाभार्थी परक कार्यक्रम के माध्यम से आ र्थक वकास |

अवसंरना वकास के लए वस्ती परक योजना शैक्ष णक वकास आदि |

10 वी पंचवषीय योजना के प्रथम दो वर्षों के लए राज्य और संघ क्षेत्रा द्वारायोजन नि धयो का प्रवाह इस प्रकार कया |

अव ध	-	कुलराज्य योजना परिव्य		
2002-2003	-	96223.73 करोड़	-	11.01 करोड़
2003-2004	-	10840.18	-	12.68%

वशेष केन्द्रीय सहायता :- मंत्रालय निम्न मापदंड के आधार पर राज्या संघ राज्य क्षेत्रो में वशेष संघटक योजना के लए केन्द्रीय सहायक के केंद्र प्रायोजित योजना अंतर्गत खर्च करती है |

गरीबी में कमी :- 1993-94 तथा 1999-2000 के दौरान गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाले कुल जनसंख्या इस प्रकार है |

वर्ष	कुल	अनु०जा०	
	ग्रामीण शहरी	ग्रामीण	-शहरी
1993-94	38.20	39.09	48.11 – 49.48
1999-20	27.09	23.62	36.62 – 38.47

श्रोत, दसवी पंचवषीय :- 2002-07 वाल्युम एव उदत परिपेक्ष्य योजना प्रयाग योजना आयोग क्षेत्रीय नीतिया और कार्यक्रम योजना आयोग |

इन तथ्यों से पता चलता है द लत वर्गों में गरीबी घटने के बजाय बढ़ मार बहुत अ धक होरहा है |

व्यावसयिक व वधीकरण :- वगल जनगणना रिपोट में जो सामने आयी है वह व्यावसयिक व व धकरण प्रवर्ति द लत जातियो पाई जा रही है |

श्रेणी योग	अनु०जा०	
	1991 – 2001	1991 – 2001
क्रषक	39.74 – 33.11	25.44 – 22.08
खेतिहर मजदूर	-19.66 - 2029	49.06 – 39.16
घरेलू काम धंधे	-02.56 – 03.90	02.41 – 03.71
अन्य वर्क से	38.04 – 42.70	23.08 – .05

इस ता लका से स्पष्ट होता है | साक्षरता, गरीबो में कमी तथा व्यवसायिक संचलता तथा वकासात्मक सुचांक के तीन महत्वपूर्ण सकेत है | जनगणना परिणामअभीतक अनुसू चत जातियों के मध्य सकारात्मक प्रगति दर्शाते है

इस लए द लत जातियों और समान्य जनसंख्या कों कम करने की आवश्यकता है |

अनुसू चत जाति वकास निगम :- केंद्र एव राज्य सरकारों के 49.51 के अनुपात में केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत अनुसू चत जाति वकास निगमों कों राज्य पूजी अंशदान जारी कया जाता है | 26 ऐसे राज्य स्तरीय निगम है \ समाज में कमजोर वर्गों अर्थात अनु० जाति जन जातियों के लए यह निगम अंशदान करती है |

वगत वर्षों के दोरान योजनाओ अंतर्गत डी जाने वाले अंश

वर्ष	परिव्यय	निमुर्ती अशपूजी	लाभाथी
2001 – 2002	21.00	21.00	4.92
2002 – 2003	25.00	25.00	6.28
2003 – 2004	49.00	48.13	5.44
2004 – 2005	49.00	48.13	5.53%

शैक्ष णक वकास :- अनुसू चत जातियों के छात्रो के लए मेट्रिकोतर छात्रवृति योजना इस योजना के अंतर्गत अनु० जातियों के उन छात्रोंकों वतीय सहायता दी जाती है जो मन्यता प्राप्त संस्थानों में मैट्रिकोतर पाठ्यक्रम में अध्ययन करते है |

मलने वाली सहायता :- अनुरक्षण भता - अनिवार्य फ़ीस की प्रति पूर्ति शोधनिबधका टाईपीग - मुद्रण व्यय व्यवसायिक पाठ्यक्रम में पढने वालो छात्रों के लए पुस्तक भता वकलांग के लए वशेष प्रवधान है |

अस्च्छा व्यवसाय में लगे बच्चों कों मैट्रिक पूर्व छात्रव्रती इस योजना के अंतर्गतअस्च्छा व्यवसाय यानि चमड़ा उतरना एव शोधन कार्य में जुड़े

व्यक्तियों के बच्चों कों मैट्रिक स्तर तक पढाई के लए छात्रवृति सहायता संघ एव राज्य सरकारों द्वारादीजाती है |

वदेश में अनुसू चत जाति के वधा र्थयों की उच्च शदना के लए राष्टीय समुद्री पारिय छात्रवृति योजना इस योजना के अंतर्गत मास्टर स्तरीय पाढय क्रमों पी एच डी और उतवती अनुसंधान कार्यक्रमों में इंजीनियरिग प्रोधो गक तथा के क्षेत्रो मे वदेशी मे उचतर अधययन हेतु छात्रो को वतिय सहयतादी जाती है | इस योजना के तहत वगत वर्षों में कया गया व्यय की वजट :-

वर्ष	वजट आवटन	-	व्यय करोड़
2002- 03	1.13	-	0.50
2003 – 04	1.00	-	0.70
2004 – 05	90	-	0.90

अनुसू चत जाति के लड़को एव लड़ कयों के लए छात्रवास -अनु० जाति, जन जाति के लड़के एव लड़ कयों के लए आ र्थक एव सामाजिक प्रगति में शक्षण वकास हेतु छात्रवास एव परिवहन सु वधा की सु वधा सरकार द्वारा प्रदान का गई है | वर्ष 2003 , से लेकर वर्ष 2005 तक छात्रोंवासा की संख्या एव स्थानों का ववरण -

वर्ष निर्मुक्तरा श -स्वीकृति	छात्रवास का स०		स्थानों की
लड़के लड़ कया -	लड़के लड़ कया -		लड़के लड़ कया
2002-03-21.99-20.00	191-127	-	11582-11484
2003-04-35.25-20.24	228-611	-	8789-9277
2004-05-15.90-16.04	125-79	-	6618-7172

राज्यों /संघ क्षेत्र की अनुसू चत जाति की अबादी

राज्यों /संघ के सापेक्ष पछडेपन

गरीबी रेखा से निचे वाले व्यक्तियों के बहर निकलना

अनुसू चत जाति जनजातियों की आबदी के अनुसार योजना संघटक में प्रतिशत बढाना /

वशेष केन्द्रीय सहायता के वजट में द लतो के लए 2% पूर्वोतर राज्यों में वकास के कया गया है |

राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रो मे 15% निर्मुख्त केन्द्रीय सहयता अनुसू चत जाति के महिलाओ के लए कया गया वर्ष में जारी कुल वशेष केन्द्रीय सहायता के 5% का उपयोग कोशल वकास प्र शक्षण के कार्यक्रमों के लए कया जायेगा |

साक्षारता में वृदि :- वगत वर्षो के दशक में जनगणना के साक्षारता आकड़ो से द लत जातियों पुरुष ब महिलाओ के बारे समाजिक कायाकल्प की महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रवृतियों का पता चला है |

प्रतिशत परवर्तीयो इ कत करन वाली ता लका -

वर्ष कुल

पु० - म० - कुल / अनु०जातीय

1991 64.13 - 39.29-5221 कुल पु० - म०

2001 75.00-54.00 - 65.00 /49.9123.76 = 37.41

66.6441.90 54.69

इस अकड़ा से पता चलता है की 1991 से 2001 की अकड़ा इनकी संख्या बढ़ी है | ले कन साक्षारता दर मात्र 12.79 % हुई है | वश्लेषण के द्रष्टि से अनिसु चत जाति के महिलाओ ने 18.47 की महत्वपूर्ण वृद दर्ज की है | जब क कुल मलाकर ओसत 14.71 प्रतिशत है | इस घटना समान्य अवादी एवं साक्षारता अंतर में गरावट आयी है |

ग्रामीण आवास कार्यक्रम :- (इंदिरा अवास)

वर्ष 1985-86 से शुरू कये गये इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र के अनुसू चत एव अनुसू चत जनजाति एव मुक्त कये गए बधुआ मजदूरों जैसे निर्धन परिवारों का मुक्त अवास प्रदान कया जाता है | शुरू के वर्षों में 14000 फीर 20000-2006 में अनुदान दिया जाता था उस समय लगभग २६ लाख मकानों का निर्माण कया जा चूका था वर्ष 2006-071500000 अवास बनवाने का लक्ष्य था |

जवाहर रोजगार योजना - के अंतर्गत बेरोजगारी से मुक्त रहे व्यक्तियों के 50.70 दिन के राजगार ग्राम पंचायत द्वारा मुहैया करया जाता था |

राष्ट्रीय वृद् पेशन कार्यक्रम - इस योजना के तहत 65 वर्ष से उपर की आयु के वृद् व्यक्तियों के आ र्थक सहायता प्रदान की जाती थी | आज वर्तमान समय सरकार 400 रु प्रति व्यक्ति प्रतिमाह देने का प्रावधान है |

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ मशन कार्यक्रम - इस कार्यक्रम की शुरुआत 12 अप्रैल 2005 कों कया गया | इस मशन के अंतर्गत 18 राज्यों कों सर्व प्रथम शा मल कया गया | इस मशन में 7वर्षों तक खर्च की जाने वाली रा श -09% बढाकर 2.3 प्रतिशत सफल घरेलू उत्पाद कों बढाया गया | जिससे अनु० जाति एव जनजातियो का लाभ मला है |

पंचायत राज व्यवस्था के अंतर्गत द लतो कों आरक्षण का लाभ मला है जो आज द लत समुदाय लोगो के मु खया , सरपंच पंच वार्ड सदस्य पंचायत स मति के सदस्य जिला परिषद , आदि जनप्रतिनिध बने हुए है | इस प्रकार द लत उत्पान हेतु सरकार के दुवरा या स वधान के दुवरा जो हक अ धकर दिया गया है | उससे द लत समाज कों सामाजिक आ र्थक एव राजनैतिक स्थति में सुधार हो रहा है |

इस प्रकार हम कह सकते है इस कार्यक्रमो के संघ राज्य एव पंचायती राज्य अ धनियम कों उदेस्य कों सख्त तरीके से लागु कया जाय तो द लतों का उत्थान और अ धक हो सके |